दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 203
मुरादाबाद
(Saturday)
15 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बिहार में एनडीए 200 सीटों पर आगे

बिहार में एक बार फिर पीएम मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी पर जनता ने भरोसा जताया

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बाद आज हुई मतगणना के बाद सामने आए आंकड़े लगभग निर्णायक रूप ले चुके हैं। चुनाव नतीजों की औपचारिक घोषणा से पहले अब सर्वाधिक चर्चित सीटों के चुनाव परिणाम का विश्लेषण हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री बनेंगे?बिहार में चुनाव नतीजे को लेकर बढ़ी दिलचस्पी के बीच ये जानना रोचक है कि आखिर कौन से बड़े कारण रहे जिनके कारण महागठबंधन धराशायी होती दिख रही है। ये जानना भी दिलचस्प है कि क्या

नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इनके अलावा सर्वाधिक चर्चित सीटों की स्थिति, 2020 के मुकाबले इस बार के चुनाव परिणाम में अंतर, प्रशांत किशोर के राजनीतिक दल- जनसुराज और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी- एआईएमआईएम और लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव का हाल को लेकर भी जिज्ञासा रही। चिराग पासवान के दल- लोजपा (रामविलास) के प्रदर्शन, महागठबंधन में शामिल दलों- कांग्रेस, राजद और अन्य पार्टियों को कितने वोट मिले? बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम कई मायनों में दिलचस्प रहे हैं। कुल 243 सीटों में महागठबंधन का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। पांच साल पहले आए चुनाव परिणाम में 110 सीटें जीतने वाली महागठबंधन इस बार 30 सीटों पर सिमटती दिख रही है। दूसरी तरफ बमुश्किल बहुमत हासिल करने वाले सत्ताधारी खेमे ह्ष्ठ इस बार 200 सीटों से अधिक जीतती दिख रही है। चुनाव से पहले दो दशक से अधिक समय बात कराए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ड्ढक्र) और वोट चोरी जैसे जुमलों का इस्तेमाल करने वाले विपक्षी खेमे को जितनी सीटें मिली हैं, इससे साफ है कि सीट के मामले में जिस तरह महागठबंधन का सूपड़ा साफ हुआ है, आने वाले समय में इसका विश्लेषण भी किया जाएगा।बात वोट प्रतिशत की करें तो तेजस्वी की पार्टी- राष्ट्रीय जनता दल (RJD) सात घंटे की काउंटिंग के बाद सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। राजद को 23 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं। 20 प्रतिशत वोट के साथ भाजपा दूसरे नंबर पर रही है। हालांकि, सीटों के मामले में भाजपा सबसे आगे है। इस परिणाम का एक चौंकाने वाला पहलू ये भी है कि मतदान प्रतिशत के मामले में जनसुराज का कहीं भी अता-पता नहीं है। ये इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि प्रशांत किशोर की इस पार्टी ने 200 से अधिक सीटों पर ताल ठोकी थी। बड़े या चर्चित चेहरों का क्या हुआ- इस साल के चुनाव में कई बड़े सूरमा भी पस्त होते दिख रहे हैं। अपने राजनीतिक करियर में करीब तीन साल तक डिप्टी सीएम रहे तेजस्वी यादव भी पिछड़ते दिख रहे हैं। इनका चेहरा सर्वाधिक चर्चित इसलिए है क्योंकि तेजस्वी को महागठबंधन ने मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी बनाया था। इसके अलावा दरभंगा जिले की सीट- अलीनगर से ताल ठोकने वाली सबसे युवा प्रत्याशी मैथिली ठाकुर की निर्णायक जीत भी चर्चा में है।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम- आज के नतीजे 2020 से कितने अलग

सूबे के राजनीतिक इतिहास में करीब तीन दशकों के बाद पहली बार एक ऐसा दल चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहा था, जिसने 200 से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। बीते तीन साल से अधिक समय से बिहार में सामाजिक-राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे प्रशांत किशोर की पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है। सोशल मीडिया के अलावा जमीनी स्तर पर भी उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनाव को ऐतिहासिक बताया था। पीके उपनाम से चर्चित प्रशांत किशोर तमाम साक्षात्कारों में ये दावे करते दिखे कि उनके पास प्रत्याशियों की ऐसी फौज है, जो बिहार में नई इबारत लिखेगी। हालांकि, वे खुद इस बात को भी रेखांकित करते थे कि जनसुराज पार्टी या तो अर्श पर होगी या फर्श पर। तमाम बातों के बावजूद नतीजे इसलिए भी हैरान कर रहे हैं क्योंकि इस पार्टी को मिलने वाला मतदान प्रतिशत चुनाव आयोग की वेबसाइट पर आठ घंटे के बाद भी उपलब्ध नहीं

खूब रोशन हुए चिराग, पीके का सूपड़ा साफ; NDA के सामने महागठबंधन चारों खाने चित्त

दिखी। पांच साल पहले कैसा रहा था चुनाव परिणाम- 2020 विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच था। इस चुनाव में एनडीए ने 125 सीटें जीतीं थीं। इनमें सबसे ज्यादा 74 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं। जदयू को 43, वीआईपी और हम को 4-4 सीट पर सफलता मिली थी। राज्य की 110 सीटें महागठबंधन के खाते में गई थी। इसमें 75 सीटें जीतकर राजद राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इसके साथ ही कांग्रेस को 19, वामदलों को 16 सीट पर जीत मिली थी। इनमें 12 सीटें माले और दो-दो सीटें भाकपा और माकपा के खाते में गईं थी। वहीं अन्य दलों में एआईएमआईएम ने पांच, बसपा, लोजपा और निर्दलीय ने एक-एक सीटें जीती थी।

प्रशांत किशोर के हश्र से लेकर ओवैसी को मिली कामयाबी तक... एक तरफ आज के चुनाव परिणाम में प्रशांत किशोर की पार्टी का सूपड़ा साफ होने की चर्चा हो रही है, तो दूसरी तरफ ये भी चर्चा हो रही है कि मुट्ठी भर सीटों पर भाग्य आजमाने वाली पार्टी- ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ड्ढस्ड्ढरू) जैसे छोटे दल कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए बंपर जीत की तरफ बढ़ रहा है। राजद के नेतृत्व में महागठबंधन का बुरा हाल है। साफ है कि बिहार की जनता ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक बार फिर विश्वास जताया है। राजद, कांग्रेस और जनसुराज का क्या है हाल?साढ़े तीन बजे तक की मतगणना के मुताबिक एनडीए 209 सीटों पर आगे है। महागठबंधन के बुरे हश्र का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसमें शामिल सभी दलों को केवल 29 सीटों पर बढ़त मिली है। एआईएमआईएम जैसे क्षेत्रीय दल भी अपना विस्तार कर रहे हैं। ओवैसी के दल से ताल ठोकने वाले प्रत्याशी छह सीटों पर आगे हैं।राजद नेता तेजस्वी यादव 11/30 राउंड की गिनती के बाद राघोपुर से 4829 वोटों के अंतर से पीछे चल रहे हैं। इस सीट से भाजपा के उम्मीदवार सतीश कुमार आगे चल रहे हैं।बिहार के मंत्री और गया टाउन विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रेम कुमार ने बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम पर कहा, %बिहार तो एक झांकी है और आगे बंगाल बाकी है। अगला पड़ाव भाजपा का बंगाल में होगा और वहां पर हम सरकार बनाएंगे। बिहार में चुनाव संपन्न होने के बाद अगला चढ़ाई हम बंगाल में करेंगे और वहां पर हम ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करेंगे। वहां पर जो जंगलराज आ गया है और वहां की जनता को जंगलराज से मुक्त कराकर राम राज लाने का काम करेंगे।%एआईएमआईएम के उम्मीदवार पांच सीटों जोकीहाट, ठाकुरगंज, कोचाधामन, अमौर, बइसी सीटों पर आगे चल रहे हैं। गौरतलब है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस एआईएमआईएम से भी पीछे है और सिर्फ चार सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। राजद सांसद मनोज झा ने कहा, %वोटों की गिनती जारी है। एक मनोवैज्ञानिक खेल भी चल रहा है। हमने पाया कि 65-70 से अधिक सीटों पर अंतर 3000-5000 वोटों से कम है, और हमें यकीन है कि उन सीटों पर स्थिति बदल सकती है। वोटों की गिनती बेहद धीमी है। यह सिर्फ शुरुआती रुझान है; हमने ऐसे रुझानों को अंत तक बदलते देखा है।%बिहार में एक बार फिर पीएम मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी पर जनता ने भरोसा जताया है। रुझानों में एनडीए गठबंधन 199 सीटों पर आगे है। वहीं महागठबंधन 38 सीटों पर आगे चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संजय राउत बोले- बिहार चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले नहीं; EC और BJP पर लगाया सांठगांठ का आरोप

बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद ने कहा कि इसमें कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। यह महाराष्ट्र जैसा पैटर्न है। उन्होंने चुनाव आयोग और भाजपा पर सांठगांठ का आरोप भी लगाया।बिहार चुनाव के रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बड़ी जीत मिलती नजर आ रही है। इस बीच, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव नतीजे चौंकाने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग और बीजेपी ने मिलकर अपना राष्ट्रीय एजेंडा पूरा किया है। राउत ने यह भी कहा कि बिहार के ये नतीजे 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तरह ही हैं, जहां सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना और राकांपा) को बड़ी जीत मिली थी।बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए बिहार में बहुमत से कहीं आगे नजर आ रहा है। शुरुआती रुझानों में 243 सीट में से 180 से ज्यादा सीट पर एनडीए मजबूत बढ़त बनाए हुए था। इसी के साथ यह भी माना जा रहा था कि भाजपा अब तक की अपनी सबसे बड़ी सीट संख्या हासिल कर सकती है। बिहार के नतीजों में महाराष्ट्र पैटर्न साफ नजर आ रहा है। उनका इशारा 2024 के महाराष्ट्र चुनाव की तरफ था, जिसमें विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) को हार झेलनी पड़ी थी।

अखिलेश यादव बोले, बिहार में एसआईआर ने किया खेल... डिप्टी सीएम केशव बोले- 2027 में 2017 दोहराएंगे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव परिणाम को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इन चुनाव परिणाम से चुनावी साजिश का भंडाफोड़ हो चुका है।बिहार विधानसभा चुनाव के आ रहे रुझान में एनडीए की स्पष्ट बहुमत से सरकार बनती नजर आ रही है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इन परिणामों ने एसआईआर के खेल को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा दल नहीं छल है।उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि बिहार में जो खेल स्ड्ढक्र ने किया है वो प. बंगाल, तमिलनाडू, यूपी और बाक़ी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साजि़श का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं

खेलने देंगे। CCTV की तरह हमारा 'PPTVÓ मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है।वहीं, यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर कहा कि बिहार की तरह यूपी में भी 2027 में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने एक्स पर कहा कि मगध जीता, अवध भी जीतेंगे। 2027 में 2017 दोहराएंगे!

लखनऊ पहुंचीं विश्वकप विजेता क्रिकेटर दीप्ति शर्मा, बोलीं- घर पर जीतने की बात ही निराली

विश्वकप विजेता खिलाड़ी दीप्ति शर्मा शुक्रवार को लखनऊ पहुंचीं और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक विजय यात्रा पर बात की। उन्होंने कहा कि खेलों में लड़कियों के आगे आने में अभिभावकों की भूमिका अहम है।महिला क्रिकेट विश्वकप की विजेता टीम की सदस्य रहीं यूपी की दीप्ति शर्मा शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा से मुलाकात की। इसके बाद संवाददाताओं से बातचीत

में डीएसपी दीप्ति ने कहा कि भारत की मेजबानी में हो रहे महिला विश्वकप को लेकर हम सभी खिलाड़ी काफी उत्साहित थे। यह मौका चार साल में एक बार आता है और हम इसे खोना नहीं चाहते थे। लीग चरण में लगातार तीन मैच गंवाना बड़ी बात थी, लेकिन हमने अपना हौसला नहीं खोया और फिर अपनी लय हासिल की। इसका परिणाम हमारे लिए विश्वकप विजेता ट्रॉफी के रूप में सामने आया। लखनऊ में दीप्ति शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अपने परिजनों संग मुलाकात की।उन्होंने कहा कि मेरे विचार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला हमारे लिए बड़ा मुकाबला था, जहां सात बार की चैंपियन से पार पाना आसान नहीं लग रहा था। हालांकि मुकाबले से पहले हम सभी इस विश्वास के साथ उतरे थे कि यह मैच जीत सकते हैं। ठीक वैसा ही हुआ और हमने धमाकेदार जीत के साथ फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में भी सभी खिलाड़ियों से शानदार खेल दिखाया, जिसकी बदौलत हमारी टीम पहली बार विश्व चैंपियन बनी। पहले काफी मेहनत की थी।

संपादकीय Editorial

Doctors of Terrorism

Circumstantial details have made it clear that the Delhi blast was a terrorist attack. Prime Minister Modi has also stated that the conspirators will not be spared. There are no conspirators in a normal blast. On Wednesday, the Cabinet Committee on Security (CCS) met under the Prime Minister's chairmanship. It is usually convened only after war or terrorist attacks. This committee consists of the Prime Minister, Defense Minister, Home Minister, Foreign Minister, Finance Minister, and National Security Advisor. In the event of war, the three service chiefs are also called in. The Home Secretary and the Director of the Intelligence Bureau (IB) also attend the meeting. The investigation into the Delhi blast has been handed over to the National Investigation Agency (NIA), which specializes in in-depth investigations of terrorist attacks. In this context, Faridabad's Al Falah University has emerged as a new hub of terrorism. The role of the 2900 kg of explosive chemicals recovered from Faridabad villages has also become clear. Dr. Umar Muhammad, who was killed in the car bomb blast, was an assistant professor at this medical university. The manner in which he died suggests a new type of suicide bomber, as his car contained explosives, and he must have activated them! The investigation will reveal the full extent of the matter. Umar was a resident of Koil village in Pulwama, Kashmir. Dr. Muzammil Shakeel, the explosive chemical terrorist, also hailed from the same village. He was an associate professor at the terrorist university. The third, Dr. Sajjad Ahmed, was also from Pulwama. Dr. Shaheen Saeed, 45, was also posted at Al Falah University and was an MBBS and MD-level pharmacology specialist. She was the head of the women's wing of the terrorist organization, "Jamaat ul Mominat," in India, under the leadership of Jaish-e-Mohammed's leader, terrorist Masood Azhar, and his sister, Sadia. She was responsible for recruiting "jihadi women" into the organization. Her brother, Dr. Parvez, has also been arrested by the Uttar Pradesh ATS. 38-year-old Dr. Adil was a resident of Qazikund, Kashmir, and a senior resident doctor in Saharanpur, Uttar Pradesh. If Jaish's threatening posters hadn't appeared in Nowgam, Kashmir, the terrorist "Doctor Module" might not have been exposed! The eight terrorists in this gang included four Kashmiri doctors, two from Uttar Pradesh, and two clerics and imams. All are in police custody. Umar was killed in the blast. Indeed, it is a matter of national concern that highly trained doctors are now becoming terrorists. Becoming a doctor is not easy. When a student studies medicine and, after 5-7 years of tireless hard work and intensive study, finally becomes a doctor, that student costs the government and taxpayers millions of rupees. It shouldn't be surprising why highly educated youth are becoming terrorists. During the 2000s, engineers trained in the Indian Mujahideen became terrorists. Moreover, the terrorists who carried out the 9/11 terrorist attacks in America were also highly educated and Muslim. It is this extreme fundamentalism, Islamic jihad, and the mentality of killing so-called infidels that misleads young people and leads them to become terrorists. However, as the investigation progresses, the internal links of medical colleges and educational institutions in major states and cities across the country will be exposed. Who knows how many "white-collar terrorist gangs" will be exposed! This is not a matter of Muslim or non-Muslim, but given that the terrorist doctor gangs have been exposed, and all of them are Muslim, a comprehensive and discreet background check of doctors should be made mandatory by law when admitting them to higher education, even for professional courses.

The four labor codes, if implemented quickly, will provide a framework for balanced development.

In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced development. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice. The importance of labor laws, the need for labor reforms, and the early implementation of the codes. India's workforce must be rapidly placed in formal employment that offers fair wages and comprehensive social protection, so that the benefits of development can provide secure and dignified livelihoods for all. The persistence of outdated labor laws has partially hampered the ability of enterprises to provide quality employment. In light of this, the labor reforms envisioned by the National Commission on Labor were long overdue. These were passed by Parliament in the form of four labor codes between 2019 and 2020. These codes provide a comprehensive framework to modernize the country's labor landscape and address structural imbalances. The creation of four new labor codes, simplifying and modernizing 29 decades-old central labor laws, aims not only to unify the laws but also to make work more fair, safe, and productive. The Code on Wages, 2019, is a historic step towards ensuring that every worker receives a minimum wage that respects the dignity of labor. Previously, the minimum wage was limited to specified occupations, but now it has been extended to all workers in all sectors, both organized and unorganized. This universalization of the minimum wage gives workers a legal right to a basic wage. For the first time, a national floor wage has been established, which the central government will set taking into account living standards and regional conditions. No state will be able to set a minimum wage lower than this. This will reduce wage disparities between states and provide equal opportunities to workers across the country. The Code also ensures regular wage reviews, ensuring workers' income remains relevant to changing economic conditions. Under this Code, the burden of proof in disputes will be on employers, increasing their accountability. The Social Security Code, 2020, is one of the most inclusive public welfare initiatives in independent India. By merging nine key laws, including the Employees' Provident Fund Act, the Employees' State Insurance Act, and the Maternity Benefit Act, it establishes a unified system covering both traditional and new occupations. For the first time, gig workers and unorganized sector workers are recognized as part of the national workforce. Each worker will be registered and issued a unique social security number, enabling direct disbursement of benefits such as health insurance, pensions, and maternity assistance. The Occupational Safety, Health, and Working Conditions Code, 2020, is a message of care and responsibility towards those who build the nation. By broadening the definition of an establishment, this Code provides protection to millions of people who were previously not covered by safety laws. Every employee will be provided with an appointment letter in a prescribed format, which will include the employee's details, designation, category, salary details, and social security details. The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020 mandates free annual health checkups for workers and requires employers to ensure they maintain safe and hygienic workplaces without imposing any financial burden on them. The Code also makes significant progress towards gender equality. It allows women workers to work in all establishments and in night shifts. The Industrial Relations Code, 2020, brings clarity to the relationship between employers and employees by merging three older acts into a unified framework. It requires establishments with twenty or more employees to establish grievance redressal committees to ensure speedy resolution of disputes and avoid strikes or litigation. Under this Code, workers facing layoffs are now entitled to 30 days' notice and adequate compensation. This is a humanitarian reform that respects livelihood security. Examples from various developing countries demonstrate that labor reforms have significantly contributed to their economic progress. Given the changing global economic environment, rising tariffs, and shifting trade structures, it is crucial to implement new labor codes in India as soon as possible. Simplifying and making labor laws transparent will boost investment, expand formal employment, and ensure dignified rights for workers. In an era of automation and digitization, when traditional jobs are declining, these codes will provide a framework for balanced growth. The four labor codes form the backbone of the ambition to build a developed India, a self-reliant nation, by combining economic dynamism with social justice.

Everyone must fight the war against terrorism; security forces and intelligence agencies, as well as the public, must remain vigilant.

The support Pakistan receives from countries like the United States and Turkey has proven to be an encouragement and support for terrorists. Every citizen of India, along with every person involved in the security system, needs to remain vigilant and active at all times. A module of highly educated terrorists, radical thinking, and local support. Except for Jammu and Kashmir, the rest of the country had been virtually free of terrorist attacks for the past decade. However, the car bombing near the Red Fort in Delhi brought back memories of the past, when single or series of explosions would shake the nation at regular intervals. The absence of any major terrorist incident in the rest of the country had led the public to believe that terrorists would no longer be able to carry out attacks. However, the recent seizure of destructive materials and arrests of suspected terrorists from the Kashmir Valley to Saharanpur in Uttar Pradesh, Faridabad in Haryana, Gujarat, and Delhi has renewed their concerns. It cannot be ignored that for some time now, news of the arrest of one terrorist module or another has been coming from various parts of the country. Recently, a doctor from Hyderabad was caught in Gujarat with weapons and materials for making deadly chemicals. Two of his associates, both from Uttar Pradesh, were also arrested. In April this year, when terrorists killed 26 people in Pahalgam, Jammu and Kashmir, after questioning their religion, India responded with Operation Sindoor, delivering the biggest blow to cross-border terrorism to date, destroying key bases of Pakistan-based terrorist groups like Jaish-e-Mohammed and Lashkar-e-Taiba. They must have been plotting a major revenge attack since then. The manner of the Red Fort blast and the conspiracy theories that have emerged so far bear a link to the jihadist terror attack of six years ago in Pulwama. Although the full truth will only be revealed after investigation, the events behind them appear to be interconnected. Following the installation of posters in support of Jaish-e-Mohammed in Srinagar, police arrested some terrorist sympathizers and stone-pelters. They identified a cleric involved in suspicious activities. Following his interrogation, Dr. Adil, a resident of Anantnag, was arrested from Saharanpur, Uttar Pradesh. When the police brought him to Srinagar and interrogated him, an assault rifle was recovered from his hideout at the government hospital in Anantnag. Further investigation led to Dr. Muzammil, a resident of Pulwama district. Based on this information, police raided Al Falah Medical College in Dhauj, Faridabad, and recovered 360 kilograms of explosives, an AK-47 rifle, 84 cartridges, a timer, gelatin sticks, and other materials. The investigation then led the police to Fatehpur Taga village in Faridabad, where they were shocked to discover a pile of explosives in a house. Fatehpur Taga village is four kilometers from Dhauj. Dr. Muzammil had rented this house from Maulana Ishtiyak. The recovery of approximately 3,000 kg of ammonium nitrate explosives is one of the largest seizures. Those arrested in this case so far are highly educated and from affluent families. Dr. Muzammil is a physician and taught at Al Falah Medical College in Faridabad. None of the arrested—Maulvi Irfan Ahmed of Shopian, Maqsood Ahmed Dar, Arif Nisar Dar and Yasir Ul Ashraf of Srinagar, and Zameer Ahmed Ahangar of Ganderbal—are poor, unemployed, or illiterate. Dr. Umar Nabi, who was killed in the Red Fort blast, was a doctor at Al Falah Medical College in Faridabad with an MD in Medicine. Dr. Adil is his associate. One of their associates, Dr. Shaheen, is from Lucknow. A rifle was recovered from her car. Additional doctors may be involved in the Faridabad module. Only an investigation will reveal why they formed this terrorist module. How were so many explosives and weapons collected, who were behind them, and where was the plot planned? Based on an analysis of jihadist incidents over the past three decades, the conclusion is that the terrorists were inspired to carry out the Red Fort blast by their fanatical religious ideology. Therefore, they carried out their actions knowing that they themselves would be killed in the blast or face the death penalty if caught. We must accept the fact that while security forces' actions may weaken them temporarily, eliminating the deadly religious ideology of Islamizing the world and teaching a lesson to the infidels is no easy task. In Faridabad, a man rented a house and transported large quantities of explosives, but the landlord or anyone else did not try to stop him or inform the police. It is possible that these terrorists received support from local residents. It cannot be ignored that in most terrorist incidents in India and the world, local residents have been involved. When Pakistan's Jihadi General Asim Munir says that Muslims cannot live with Hindus, that Pakistan is the second state to be created on the basis of the Kalma after Medina, and that Kashmir is a jugular vein, then it should be understood how difficult the fight against terrorism is. The support Pakistan receives from countries like America and Turkey has proven to be encouragement and support for terrorists. Every person involved in the security system, along with all the citizens of India, need to remain vigilant and active at all times. We never know who around us, armed with a Jihadi mindset, is plotting horrific violence.India's resolve is to eradicate terrorism completely. This resolve will be strengthened when every citizen demonstrates vigilance in the fight against terror.

विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के मा. सभापति डॉ. रतन पाल सिंह ने अधिकारियों के साथ की बैठक।

सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयकों का प्राथमिकता के साथ भुगतान कराने के दिए निर्देश।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति के मा. सभापति डॉ. रतन पाल सिंह ने समिति के सदस्य श्री विजय बहादुर पाठक, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त और एमएलसी श्री गोपाल अंजान की उपस्थिति में मुरादाबाद में जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह, वरिष्ठ पुलिस विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान निगम, खाद्य सुरक्षा, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग आदि से संबंधित अधिकारियों चुके कार्मिकों की पेंशन, ग्रेच्युटी सहित अन्य बारे में विस्तार पूर्वक समीक्षा की। खाद्य सुरक्षा मा. सभापति ने सहायक आयुक्त (खाद्य) से वर्ष सापेक्ष निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए की की साथ ही दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों में विभाग स्तर से किए गए प्रयासों और कार्रवाई के (खाद्य) ने बताया कि 01 अप्रैल 2025 से अब ने जिलाधिकारी से कहा कि वे टीम बनाकर 2017 जिले में लिए गए नमूनों के आधार पर लंबित कार्रवाई में विलंब होने के संबंध में अधिकारियों की भूमिका की भी कमेटी के माध्यम से जांच कराई जाए। विद्युत विभाग में लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान सभापति ने अधीक्षण अभियंता से बिजनेस प्लान 2025-26 के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि बिजनेस प्लान तैयार करने के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी अनिवार्य रूप से लिया जाए तभी आमजन की समस्याओं का समाधान और स्थानीय जरूर के अनुरूप बेहतर प्लान तैयार होगा। सभापति ने कहा कि कार्यालय स्तर पर सेवानिवृत कर्मचारियों के देयकों के भुगतान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए साथ ही मृतक आश्रित के प्रकरणों में भी विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए यथाशीघ्र समाधान होना चाहिए।

17 साल पहले डाली डकैती, मकान मालिक को मार डाला, दो भाइयों को सुनाई उम्रकैद की सजा..

गजरौला की एमडीए कॉलोनी में 2008 में प्रोडक्शन मैनेजर रामवीर सिंह की हत्या और डकैती केस में दो सगे भाई नजाकत और शहजाद को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। इस वारदात में रामवीर सिंह की हत्या, पत्नी और बेटों को घायल किया गया था। गिरोह के दो बदमाश पहले मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं।अमरोहा में करीब 17 साल पहले गजरौला की एमडीए कॉलोनी में डकैती के दौरान गृहस्वामी की गोली मारकर हत्या करने में दो सगे भाइयों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। वारदात के दौरान बदमाशों ने मृतक की पत्नी व दो बेटों को भी गोली मारकर घायल कर दिया था।सोने-चांदी के गहने और 50 हजार कैश लूट ले गए थे। इस दुस्साहसिक घटना में शामिल दो वांछितों को रुड़की पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। पूर्व में गिरफ्त में आए एक बदमाश को उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। डकैतों के निशाने पर आया था गजरौला की नामचीन फैक्टरी जुबिलेंट के प्रोडक्शन मैनेजर रामवीर सिंह का परिवार, जो मूल रूप से हाथरस के रहने वाले थे। गजरौला में एमडीए कॉलोनी स्थित उनके आवास पर 11 सितंबर 2008 की भोर में हथियारबंद छह बदमाशों ने धावा बोला था। उस वक्त रामवीर सिंह ड्राइंग रूम में सो रहे थे। उनकी पत्नी, दो बेटे व बेटी दूसरे कमरे में थे। एकाएक जागे रामवीर सिंह ने बदमाशों को लूटपाट से रोका तो उनके चेहरे पर गोली मार दी गई। वह बेड से नीचे गिरे और उनकी सांसें थम गईं। इस बीच कमरे में पहुंचे उनके बेटों और पत्नी पर भी गोली चला दी। वह भी जख्मी हो गए। इसके बाद डकैत अलमारी में रखें 50 हजार रुपये और सोने-चांदी के गहने लूटकर भाग गए। भागते समय परिवार के सदस्यों के चार मोबाइल फोन भी छीन ले गए। केस दर्ज करने के बाद सर्विलांस की मदद से पुलिस इस मामले में वांछित मुजफ्फरनगर के भोपा थानाक्षेत्र के नया गांव निवासी अंजुम को गिरफ्तार करने में कामयाब हो गई थी। 17 मार्च 2015 को तत्कालीन अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में दोष साबित होने पर अंजुम को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। वहीं, डकैती में शामिल दो आरोपियों मुजफ्फरनगर के कादिर और भूरा को रुड़की पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। इसके बाद पुलिस मुजफ्फरनगर के ककरौली थानाक्षेत्र के कम्हेड़ा गांव निवासी सगे भाई नजाकत व शहजाद और शामली के झिंझाना थानाक्षेत्र के मुशर्रफ उर्फ गुलजार तक पहुंच गई थी। बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट तृतीय की अदालत में नजाकत व शहजाद को आरोप साबित होने पर उम्रकैद की सजा सुनाई गई। दोनों पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। कस्टडी से भागा मुशर्रफ, आज तक नहीं चढ़ा हत्थे- नजाकत और शहजाद के साथ पुलिस ने मुशर्रफ उर्फ गुलजार को भी गिरफ्तार कर लिया था। कुछ समय बाद वह पुलिस को गच्चा देकर ऐसा भागा कि उसका आज तक कोई पता नहीं चला है। एडीजीसी अमित कुमार वशिष्ठ ने बताया कि कस्टडी से भागे मुशर्रफ की कोर्ट में सुनवाई की फाइल अलग कर दी गई है। दरवाजा तोड़कर घुसे थे घर में- वारदात के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को बताया था कि डकैती के इरादे से धावा बोलने वाले छह बदमाश दरवाजा तोड़कर घर में घुसे थे। रामवीर सिंह की हत्या करने के बाद परिवार का हर सदस्य दहशत में आ गया और डकैत लूटपाट करते रहे। तमंचा ताने रहा था एक बदमाश- गजरौला की एमडीए कॉलोनी में डकैती के दौरान एक बदमाश रामवीर सिंह की पत्नी व बच्चों पर तमंचा ताने रहा था। उसकी धमकी थी कि कोई चीखा तो जान ले लेंगे। हिलने-डुलने पर रामवीर सिंह की पत्नी व बेटों को गोली मारकर घायल कर दिया था।

संभल से सपा विधायक इकबाल बोले- वंदे मातरम हमें याद तो नहीं, सम्मान में खड़े हो जाते हैं, राष्ट्रगान जरूरी

संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद ने कहा कि वंदे मातरम गाना अनिवार्य नहीं है, सम्मान में खड़ा होना पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान अनिवार्य है और दिल से गाना चाहिए। उधर, सांसद बर्क ने कहा कि देश को विकास और भाईचारे की राह पर चलना होगा। लोकसभा या विधानसभा सत्र के शुरू होने पर वंदे मातरम गीत गाते हैं, हमें तो वंदे मातरम गीत याद नहीं है लेकिन सम्मान में हम खड़े हो जाते हैं। राष्ट्रगान तो अनिवार्य है और उसको दिल से गाना चाहिए लेकिन वंदे मातरम अनिवार्य नहीं है। यह कहना है संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद का। उनकी सरकार है तो वह कुछ भी आदेश कर सकते हैं। विधायक ने एक अन्य सवाल पर कहा कि वंदे मातरम अनिवार्य तो नहीं। मर्जी है कि गाना चाहते हैं तो गाएं और नहीं गाना चाहते तो कोई बात नहीं।- देश को विकास और भाईचारे की राह पर चलना होगा ⁼ बर्क देश को विकास और भाईचारे की राह पर चलना होगा, न कि नफरत की राजनीति पर। यह बातें बृहस्पतिवार को महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष संगीता यादव के आवास पर पहुंचे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहीं। सांसद ने कहा कि दिल्ली आतंकी हमले जैसी घटना देश को झकझोर देती है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव शांति, समानता और संविधान के सम्मान की पक्षधर रही है। हम राष्ट्रगान और वंदे मातरम दोनों का आदर करते हैं, लेकिन किसी को इन्हें गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, क्योंकि संविधान हर नागरिक को स्वतंत्रता देता है। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव सपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे।

प्रदूषण का स्तर बढ़ने से छाती और फेफड़ों का संक्रमण बढ़ा

मुरादाबाद- प्रदूषण का स्तर बढ़ने से छाती और फेफड़ों का संक्रमण बढ़ रहा है। इसकी चपेट में

आने वाले मरीजों की सांस फूल रही है, सूखी खांसी से मरीजों का बुरा हाल है। जिला अस्पताल के साथ ही सीएचसी और पीएचसी पर बीते एक सप्ताह में दो हजार से अधिक मरीजों में सिरप दिए जा चुके हैं। इसके साथ ही एंटीबॉयोटिक दवाओं की मांग भी अधिक बढ़ गई है। जिला अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि प्रदूषण में हानिकारक कण सांस की नली के के माध्यम से फेफड़ों तक पहुंच रहे हैं। इसके कारण संक्रमण बढ़ रहा है। इस मौसम में नजला, खांसी हो रहा है। सूखी खांसी मरीजों को अधिक परेशान कर रही है। रात के समय खांसी आने पर बच्चे सो तक नहीं पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि खांसी के सिरप के साथ ही दी जाने वाली जरूरी दवाओं की मांग भी बढ़ गई है। एंटीबॉयोटिक दवाओं की जरूरत पड़ रही है। इसके लिए फार्मासिस्टों से लगातार मांग की जा रही है। अस्पतालों की ओपीडी में पहुंच रहे हर तीसरे-चौथे मरीज में खांसी, जुकाम की शिकायत मिल रही है।श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि इनहेलर थेरेपी कराने रोजाना 20 मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। गंभीर को भर्ती इलाज किया जा रहा है। स्थिर मरीजों को इनहेलर दिए जा रहे हैं। इससे उन्हें आराम भी लग रहा है। यह सावधानी बरतें मरीज- - घर से बाहर निकलते समय मास्क का प्रयोग करें। - अस्थमा वाले मरीज सुबह की सैर बंद करें। - नियमित दवाओं का सेवन करें। - फास्ट फूड या बाहर का खाना न खाएं। - गुनगुना करके पानी का अधिक से अधिक सेवन करें। - दिक्कत होने पर चिकित्सक से परामर्श लें, खुद मेडिकल स्टोर से दवा लेकर प्रयोग न करें।

संक्षिप्त समाचार

अविवाहित बताकर युवक ने की तीसरी शादी, किराए के कमरे में रखा, अब चौथी से चला रहा चक्कर रजाबुल

मझोला थानाक्षेत्र की कांशीराम नगर निवासी सईदा ने पति रजाबुल पर तीसरी शादी करने और विरोध पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। सईदा का कहना है कि रजाबुल पहले दो महिलाओं से शादी कर चुका है और अब चौथी शादी की फिराक में है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है।मझोला थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने अपने पति के खिलाफ तीसरी शादी करने और विरोध करने पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। मझोला थानाक्षेत्र के कांशीराम नगर निवासी सईदा दर्ज कराए केस में बताया कि उसकी शादी पांच साल पहले मैनाठेर के तख्तपुर अल्लाह उर्फ नानपुर गांव निवासी रजाबुल के साथ हुई थी।शादी के बाद पति ने उसे करुला में किराये के मकान में रखा। वह अपनी ससुराल गई तो पता चला कि उसके पति रजाबुल ने पहले किसी हिंदू लड़की से शादी की थी। उसे छोड़ने के बाद रजाबुल ने एक और युवती से शादी की। आरोपी के दो बेटे हैं। इसके बाद आरोपी ने उस युवती को भी छोड़ दिया।इसके बाद आरोपी ने खुद को अविवाहित बताकर सईदा से शादी कर ली। पीड़िता का कहना है कि आरोपी अब चौथी युवती से शादी करने की फिराक में है। दो नवंबर 2025 को आरोपी रजाबुल ने उसके साथ मारपीट की और तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

शादी से लौट रहे परिवार के वाहन को दूसरे ने मारी टक्कर, 12 लोग जख्मी, जिला अस्पताल में भर्ती

शाहबाद में रामगंगा पुल के पास शादी से लौट रहे बदायूं जिले के एक परिवार के वाहन को दूसरे ने टक्कर मार दी। इसमें 12

लोग घायल हो गए। सभी को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया।शाहबाद में रामपुर रोड पर रामगंगा पुल से पहले शुक्रवार तड़के एक बोलरो को दूसरे वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। इसमें एक ही परिवार के 12 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।जानकारी के अनुसार बदायूं जिले के बिसौली क्षेत्र के धर्मपुर बिहारीपुर गांव के रहने वाले परिवार के लोग शाहबाद के पैगुपुरा गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। तड़के उनकी बोलरो जैसे ही रामगंगा पुल के निकट पहुंची सामने से आए दूसरे वाहन से उसकी टक्कर हो गई।टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। घायल होने वालों में दिशू (10), सोमेश (12), शीला (40), मीरापल (40), मोहिनी (12), निशांत (10), नेहा (14), गीता (36), सुषमा (25), मुस्कान (16), राधा (24) और ब्रजबाला शामिल हैं। पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सुबह होने पर परिजन शाहबाद पहुंचे और क्षतिग्रस्त बोलरो में फंसा सामान निकालने लगे। बोलरो के पास गिरे लकड़ी के टुकड़ों को देखकर परिजन अंदाजा लगा रहे हैं कि टक्कर शायद किसी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी हो। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निकाला यूनिटी मार्च, देशभक्ति नारों से गूंजा मैदान

क्यूँ न लिखूँ सच/ ठाकुरद्वारा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज क्षेत्र में 'यूनिटी मार्च' निकालकर एकता और राष्ट्रहित का संदेश दिया। मार्च की शुरुआत रामलीला ग्राउंड से हुआ जहां बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक, पदाधिकारी और युवा कार्यकर्ता शामिल हुए। इस यात्रा में वार्ड नंबर 6 से बीजेपी का भावी प्रत्याशी इकराम चौधरी भारी लाव लश्कर के साथ शामिल हुए उनका कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया इस

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एम एल सी प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सिंह सैनी,बीजेपी जिला अध्यक्ष आकाश पाल, राजपाल सिंह चौहान, अजय प्रताप सिंह के साथ सभी ब्लॉक प्रमुख और बीजेपी नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और विकास की योजनाओं से जुड़े नारे लगाए। पूरे मार्च में कार्यकर्ताओं ने अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ते हुए लोगों को देश की एकजुटता का संदेश दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष सतपाल सिंह सैनी ने बताया कि यूनिटी मार्च का उद्देश्य समाज में भाईचारा बढ़ाना और जनता को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए सभी नागरिकों का एकजुट होना आवश्यक है। यूनिटी मार्च ठाकुरद्वारा रामलीला ग्रॉउंड से होते हुए कचहरी से विभिन्न मार्गों पर निकला और अंत में नगर के तिकोनिया पर सभा के रूप मेंसंपन्न हुआ। मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। स्थानीय लोगों ने भी जगह-जगह पर कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।

बाल दिवस समारोह: संकुल केंद्र महुली के कोल्हूआ-कछवारी स्कूल में बच्चों ने जमकर मनाया बाल दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर/ आज बाल दिवस के अवसर पर संकुल केंद्र महुली अंतर्गत कोल्हूआ-कछवारी स्कूल में धूमधाम से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से ही स्कूल परिसर पूरी तरह उत्साह, जोश और बच्चों की मुस्कान से जगमगा रहा था। शिक्षक और विद्यार्थी सभी बाल दिवस के इस विशेष अवसर को यादगार बनाने में जुटे रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजा एवं राष्ट्रगीत के साथ की गई। इसके बाद बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए-नृत्य, गीत, कविता पाठ और छोट-छोटी नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को देखकर अभिभावक और शिक्षक दोनों बेहद उत्साहित नजर आए।

विद्यालय के शिक्षक संजय जयसवाल सहित पूरे शिक्षकीय स्टाफ ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों से विशेष प्रेम करते थे, इसलिए उनके जन्म दिवस को बच्चों को समर्पित किया गया है। उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, कड़ी मेहनत, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजयी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल में संचालित संवेग टीम ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाल दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए न सिर्फ मनोरंजन का माध्यम बना बल्कि उन्हें सीखने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को मिठाई और उपहार वितरित किए गए। पूरे स्कूल में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

गोंडा मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखे शव की आंख गायब होने से परिजनों का हंगामा, तीव्र विरोध प्रदर्शन

गोंडा जिले के मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी से शव की आंख गायब होने से हंगामा हो गया। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर प्रदर्शन किया और शव को अस्पताल के गेट पर

रख दिय। सीएमओ ने मामले में जांच का आदेश दिया है।गोंडा के मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। मोर्चरी में रखे शव की आँख गायब होने से हंगामा खड़ा हो गया। मोर्चरी पर भारी संख्या में नाराज लोग जमा हो गए और तीव्र विरोध प्रदर्शन किया। नाराजगी इतनी बढ़ी कि परिजनों ने शव को मर्चरी से उठाकर अस्पताल गेट पर रख दिया, जिसके चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन दिया।राय शिवगढ़ निवासी कौशलेंद्र कुमार सिंह उर्फ पिंकू, जो करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के बाबूगंज में छत की ढलाई का कार्य करता था। गुरुवार शाम निर्माणाधीन छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन उसे देर शाम मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया।शुक्रवार सुबह जब परिजन मोर्चरी पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शव की एक आंख गायब है। इसके बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया और मोर्चरी कर्मचारियों पर अनियमितता के आरोप लगाए। सूचना मिलते ही एडीएम और सीएमओ मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों और भीड़ को समझाने का प्रयास किया। समझा-बुझाकर प्रदर्शन को शांत कराया गया। सीएमओ ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, और दावा किया है कि तथ्य सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों का कहना है कि यह गंभीर लापरवाही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और अस्पताल प्रशासन मामले की जांच की बात कह रहा है।

दिवाली टिकटों से बढ़ी आय, 49 करोड़ की कमाई, आरक्षित बोगी में बैठे 282 यात्रियों से वसूला जुर्माना

त्योहारी सीजन में चली ट्रेनों से रेलवे को जमकर आय हुई है। मुरादाबाद मंडल में दिवाली व छठ पूजा के दौरान 15 दिन में लगभग 2250 ट्रेनें चलीं। इन ट्रेनों के टिकटों से रेलवे को 49.34 करोड़ रुपये की आय हुई है। उधर, आरक्षित बोगी में बैठे 282 वसूला गयात्योहार पर यात्रियों की बोगियों ने रेलवे पर जमकर मुरादाबाद मंडल में दिवाली व दिन में लगभग 2250 ट्रेनें स्पेशल एक्सप्रेस दोनों शामिल से रेलवे को 49.34 करोड़ है।यह आंकड़ा पिछले वर्ष की

जनरल टिकट लेकर यात्रियों से जुर्माना से खचाखच भरी ट्रेनों धन बरसाया है। छठ पूजा के दौरान 15 चलीं। इनमें सामान्य व हैं। इन ट्रेनों के टिकटों रुपये की आय हुई आय से 1.6 करोड़ रुपये ज्यादा है। पिछले वर्ष मुरादाबाद रेलवे ने टिकट बिक्री से 48.28 करोड़ रुपये कमाए थे। यात्रियों की बात करें तो पिछले वर्ष 26 अक्तूबर से 10 नवंबर तक मुरादाबाद मंडल के 200 स्टेशनों से 26.25 लाख यात्रियों ने सफर किया।इस बार 18 अक्तूबर से दो नवंबर तक 15 दिन की अवधि में 28.02 लाख यात्रियों ने सफर किया है। इनमें जनरल टिकट पर सफर करने वाले यात्रियों की संख्या सबसे ज्यादा है। सबसे अधिक यात्री संख्या वाले स्टेशनों में मुरादाबाद, बरेली, हरिद्वार, देहरादून, हापुड़, शाहजहांपुर, नजीबाबाद, अमरोहा आदि शामिल हैं। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता का कहना है कि त्योहारों के मौके पर घोषित की गईं कुछ स्पेशल ट्रेनें अब भी चल रही हैं। क्योंकि कुछ रूटों पर यात्रियों की डिमांड अधिक है। ऐसे में ट्रेन ऑन डिमांड के आधार पर लगातार दौड़ रही कुछ स्पेशल ट्रेनों को नियमित करने की योजना बनाई जा रही है। जनरल टिकट पर आरक्षित बोगी में बैठे 282 पकड़े- मुरादाबाद जंक्शन पर बृहस्पतिवार को रेलवे ने किलेबंदी अभियान चलाया। 26 ट्रेनों को चेक किया गया। बिना टिकट यात्रा करने वाले 88 लोगों से किराया व जुर्माना वसूला गया। वहीं 282 केस ऐसे भी मिले जिनके पास जनरल टिकट था लेकिन आरक्षित बोगी में सफर कर रहे थे। उनसे भी नियमानुसार जुर्माना लिया गया। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता के निर्देशों पर टिकट चेकिंग स्टाफ ने मुरादाबाद स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों को चेक किया। बिना टिकट, अनियमित यात्रा करने वाले, ट्रेन में या स्टेशन परिसर पर गंदगी फैलाने वाले लोगों पर जुर्माना लगाया गया। 21 टिकट चेकिंग स्टाफ ने आरपीएफ के साथ कामाख्या एक्सप्रेस, आला हजरत एक्सप्रेस, दुर्गियाना एक्सप्रेस, सरयु-यमुना एक्सप्रेस समेत 26 ट्रेनों को चेक किया गया। 88 बिना टिकट यात्रियों 47 हजार रुपये, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले 282 यात्रियों से 1.25 लाख रुपये व गंदगी फैलाने वाले तीन लोगों से 500 रुपये जुर्माना वसूला गया। सीनियर डीसीएम ने यात्रियों ने अपील की है कि टिकट लेकर ही ट्रेनों में सफर करें। जिन श्रेणी का टिकट है उसी बोगी में यात्रा करें।

शिवपुरी पुलिस की बड़ी कार्यवाही 280 ग्राम ड्रग्स 56 लाख कीमत की जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ ब्यूरो शिवपुरी। जिला पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन और पुलिस बल की सतर्कता के चलते पुलिस ने शुक्रवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। अवैध नशीले पदार्थों के

कारोबार को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने 280 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ 56 लाख रुपये कीमत तथा एक मोटर साइकल सहित कुल ?56 लाख 50 हजार का माल ज़ब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, कोलारस एवं करैरा थाना पुलिस की संयुक्त टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध नशीला पदार्थ एवं भारी नकदी लेकर मोटरसाइकिल से घूम रहा है। सूचना पर तुरंत एक्शन लेते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को रोका और पूछताछ की। तलाशी में आरोपी के पास से 280 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ और 56 लाख 50 हजार रुपये की नक़दी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान निलेश लोधी पुत्र रामसिंह लोधी, उम्र 26 वर्ष, निवासी सिरसौद थाना कोलारस, जिला शिवपुरी के रूप में हुई है। आरोपी के तार अन्य जिलों और राज्यों से जुड़े होने की आशंका के चलते पुलिस उसकी नेटवर्किंग और सप्लाई चेन की गहन जांच कर रही है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/21 NDPS एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर उसे माननीय न्यायालय शिवपुरी में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांच में इन अधिकारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा- थाना प्रभारी करैरा- विनोद छावई, थाना प्रभारी कोलारस- अंशुल गुप्ता , अभिमन्यु राजावत, हुकुम सिंह, राम अवतार गुर्जर , स्क्वॉ , एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई सफल बनाई। जिला पुलिस का कहना है कि नशे के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अवैध नशीले पदार्थों का सौदा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

16 नवंबर को मेधावी छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। ब्रह्म समर्पित ब्राह्मण महासभा (सम्पूर्ण भारत) एवं पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन

संवर्धन परिषद इकाई (भारत) के संयुक्त तत्वावधान मे 16 नवम्बर रविवार को प्रात- दस बजे 251 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं विप्र वृद्धजनों को संजय कम्युनिटी हाल में सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राहुल द्विवेदी, राष्ट्रीय चेयरमैन-वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद इकाई (भारत) होंगे। यह जानकारी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सोहन लाल शर्मा एवं डा. साधना मिश्रा, पूर्व मंत्री उप्र सरकार एवं चेयरपर्सन, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद इकाई (भारत) ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। इस मौके पर जेपी दीक्षित, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, डा. योगेश कुमार शर्मा प्रदेश महामंत्री समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में 70 फुट नीचे गिरी तेज रफ्तार कार, एक की हालत गंभीर, बाकी सुरक्षित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शीशगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार कार पुल की रेलिंग तोड़कर बहगुल नदी में जा गिरी। कार करीब 70 फुट नीचे नदी के किनारे पर उल्टी जा गिरी जहां पानी बेहद कम था। गनीमत रही कि कार सवार चार लोगों की जान बच गई। इनमें पांचवें गुड्डू नाम के युवक की हालत गंभीर है। सभी को बरेली के निजी अस्पताल भेजा गया है। बताते हैं कि शुक्रवार सुबह 10 बजे करीब शीशगढ़ थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा सराय निवासी पांच लोग कार से बहेड़ी की ओर जा रहे थे। स्विफ्ट डिजायर कार जैसे ही मानपुर गांव के पास बहगुल नदी के पुराने पुल से गुजरी, तेज रफ्तार अनियंत्रित हो गई। जोकि लोहे की रेलिंग तोड़कर कार 70 फुट नीचे जा गिरी। गिरते वक्त कार उल्टी थी जिसे आसपास के किसानों ने जाकर सीधा किया और अंदर फंसे लोगों को निकाला। कार को आदिल नाम का युवक चला रहा था। बाकी कार सवारों में कासिम (25), फरमान (20), सलमान (21) व गुड्डू (28) शामिल थे। इनमें गुड्डू को सबसे ज्यादा चोट आई है। इनमें एक युवक का पैर दो जगह से टूट गया है। मौके पर पुलिस पहुंच गई। सभी पांचों युवकों को एंबुलेंस से बरेली भेजा गया है। पुलिस घटना का कारण जानने में जुटी है। पुलिस ने इनके परिजनों को सूचना दे दी है।

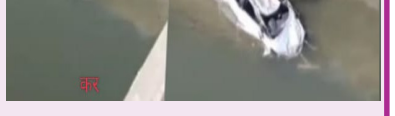

मां नहीं बन सकती है सुनीता, इसलिए बच्ची का किया अपहरण...उसके इरादे जानकर पुलिस भी हैरान

बांझपन के दर्द ने सुनीता को बच्ची का अपहरण करने पर मजबूर कर दिया। सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद पुलिस पहचान करते हुए सुनाती तक पहुंच गई। पुलिस की पांच टीमों ने कई दिन की मेहनत के बाद अपहृत बच्ची को ढूंढ निकाला। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई महिला की पहचान करके पुलिस अपहर्ता महिला तक पहुंच गई। पुलिस ने उसके साथ रहने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। अपहर्ता महिला बच्ची को लालन-पालन करने के लिए ले गई थी। उधर, थाने पर बच्ची मां को देखते ही उससे लिपट गई।वृंदावन में प्रेम मंदिर के निकट झोपड़ी डालकर अपने तीन बच्चों के साथ रह रही गुड्डी की एक साल की बेटी को पांच नवंबर की रात को अगवा कर लिया गया था। पुलिस ने कई दिनों तलाश करने के बाद 9 नवंबर को अपहरण की एफआईआर दर्ज की थी।

पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बाद अपहर्ता महिला की जानकारी मिल गई। वह फरह के गांव बलरई निवासी अनमोल नामक व्यक्ति के साथ रह रही थी। अनमोल से उसकी शादी नहीं हुई है। महिला ने अपना नाम सुनीता बताया। उसने पुलिस को बताया कि कई साल बाद भी उसके कोई संतान नहीं थी। सुनीता को मां बनने की चाहत थी। अनमोल उसे बांझ कहकर ताने देता था। इस पर सुनीता ने सोचा कि वह कहीं से भी बच्चे को लेकर आएगी। पांच नवंबर को वह अनमोल से बच्चे को लेकर झगड़ने के बाद वृंदावन आ गई। वहां उसे बच्ची सोती हुई दिखाई तो वह रात को बच्ची को उठाकर ले गई।हले दिल्ली ले गई फिर कोसी में जा छिपी- पूछताछ में सामने आया कि सुनीता वृंदावन से बच्चे को लेकर दिल्ली गई और फिर अगले ही दिन कोसीकलां में जा छिपी। जब अनमोल से संपर्क हुआ तो उसने कहा कि वह अब बच्ची लेकर ही आ रही है। फिर वह रिफाइनरी पहुंच गई। वहां किराए के जिस मकान में रह रहे थे, वहां ही बच्ची को रख लिया, लेकिन पुलिस को इसकी भनक लग गई और उसके दबोच लिया। एफआईआर के बाद पुलिस ने दिन रात एक किए- बच्ची के अपहरण के बाद एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना पुलिस के साथ सर्विलांस सेल को बच्ची को बरामद करने का टास्क दिया था। कुल पांच टीमें बच्ची को बरामद करने में जुट गईं। 200 से अधिक कैमरों को खंगाला गया। कुछ कैमरों में अपहर्ता कैद हो गई। फुटेज के आधार पर पुलिस आगे बढ़ती और बच्ची को बरामद कर लिया। जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लगा रही थी चक्कर- सुनीता ने बच्ची को अपना बनाने के लिए कई प्रयास किए। उसने तहसील से एफिडेविट बनवाया और फिर उसने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का प्रयास किया। कई अस्पतालों में संपर्क किया लेकिन उसकी दाल नहीं गली। लेकिन महिला के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के बारे में जानकारी पुलिस के एक मुखबिर को हो गई। उसने पुलिस को जानकारी दे दी।

सड़क सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी सख्त, यातायात नियमों का कराएं पालन अभियान चलाकर करें जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों की कार्यप्रगति की समीक्षा करते हुए कड़े निर्देश जारी किए। जिलाधिकारी ने कहा कि एनएचएआई मार्ग अभी तक गड्ढा मुक्त नहीं कराए गए हैं तथा मार्गों पर बने अवैध कट भी बंद नहीं कराए गए हैं, जो गंभीर लापरवाही दर्शाते हैं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग एवं अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत को निर्देशित किया कि मार्गों के किनारे झाड़ियों की छटाई समयसीमा में न करने पर अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सड़क मार्गों पर सांकेतिक बोर्ड अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर लगाए जाएं। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि शहर के अंदर जहां-जहां अतिक्रमण है, उसे तत्काल हटाया जाए। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट, सीओ व नगर पालिका को संयुक्त रूप से निरंतर अभियान चलाते हुए अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उन्होंने एसडीएम व एआरटीओ को निर्देशित किया कि रॉन्ग साइड ड्राइविंग, ओवर स्पीड, ड्रिंक एंड ड्राइविंग, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट, तथा मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, सीओ सिटी अर्चना सिंह, अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना, अधिशासी अभियंता सीडी प्रथम सुनील कुमार, एआरटीओ राजेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पल्स पोलियो राउंड की तैयारियों की जिलाधिकारी ने की विस्तृत समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में पल्स पोलियो एस.एन.आई.डी. राउंड की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर सम्बंधित अधिकरियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि 14 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो राउंड में 0 से 5 वर्ष के 2,19,356 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश भले ही कई वर्षों से पोलियो-मुक्त है, लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे तक दवा पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 16 से 23 नवम्बर के बीच माइक्रोप्लान का पुनरीक्षण हर हाल में पूरा कर लिया जाए तथा 8 दिसम्बर तक सभी इकाइयों द्वारा माइक्रोप्लान की प्रतियाँ जिला स्तर पर उपलब्ध करा दी जाएँ। दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में वैक्सीनेटर और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण डब्ल्यूएचओ के सहयोग से कराया जाएगा। 13 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय उरई से जनजागरूकता रैली निकाली जाए, जबकि 14 दिसम्बर को जनपद के सभी 1188 बूथों पर बूथ दिवस के रूप में बच्चों को दवा पिलाई जाए। बूथ पर छूट गए बच्चों को 15 से 19 दिसम्बर तक घर-घर जाकर 590 टीमें दवा पिलाएँगी और 22 दिसम्बर को बी-टीम द्वारा शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जाएगा। गत राउंड की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि उरई अर्बन, चिरिया, कदौरा, जालौन अर्बन, पिंडारी एवं कोंच अर्बन जैसे कई क्षेत्रों में बूथ कवरेज 60 प्रतिशत से कम रहा था, जिसे अत्यंत चिंताजनक बताते हुए उन्होंने इस बार शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से उरई अर्बन के 12 क्षेत्रों में पाए गए 525 गिरिड घरों पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि माइक्रोप्लान में किसी भी क्षेत्र की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए और सर्वे के दौरान एक भी घर छूटना स्वीकार्य नहीं है। पल्स पोलियो अभियान की मॉनिटरिंग के लिए 186 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि वे कम कवरेज वाले क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतिदिन की शामकालीन बैठकों में शिक्षा, आईसीडीएस और पंचायत विभाग सहित सभी सहयोगी विभागों की उपस्थिति अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए नोडल अधिकारी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया कि अभियान को सफल बनाने में समर्पण सहयोग करें और सुनिश्चित करें कि जनपद का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी देवेंद्र भिटौरिया, सीएमएस आनंद उपाध्याय, आदि सिहित सम्बंधित चिकित्सक व अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूलों में बड़ी धूमधाम एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया बाल दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आज एल बी एस कॉन्वेंट स्कूल,संजय नगर के दो दिवसीय वार्षिक उत्सव में प्रथम दिन कक्षा एनसी, एलकेजी और यूकेजी के छात्र, छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों की माताओं द्वारा भी नृत्य, गायन और खेल प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, विशिष्ट अतिथि एक्ट्रेस दिशा पाटनी के पिता जगदीश पाटनी,रहे। डायरेक्टर रामकृष्ण शुक्ला ने मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, विशिष्ठ अतिथि जगदीश पाटनी को माला पटका पहनाकर ,स्मृति चिन्ह भेंट किया। सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि भारत की विभिन्न प्रदेशों की कला को अपने नृत्य के द्वारा बच्चों ने यहां पर एक मंच पर प्रस्तुत किया। बच्चों को खूब मेहनत से पढ़कर अपने माता पिता का नाम रोशन करना है,बच्चों के प्रथम गुरु भी माता पिता होते हैं। समाजसेवी जगदीश पाटनी ने कहा कि मेरी बेटी दिशा पाटनी ने बहुत मेहनत करके अपने आपको बॉलीवुड में स्थापित किया है,बच्चों को पढ़ाई के अलावा खेल में,नृत्य में या नाट्य में अवश्य रुचि होना चाहिए, मेहनत कभी खराब नहीं जाती है। डायरेक्टर रामकृष्ण शुक्ला ने स्कूल में पधारे सभी अभिभावकों का अभिवादन किया और स्कूल में बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार भविष्य में आगे बढ़ने को प्रेरित करने की बात की। संचालन मानवी अजमानी ने किया। कार्यक्रम में डायरेक्टर रामकृष्ण शुक्ला,आकाश शुक्ला,शिवांश,साधना,व्यापारी नेता दीपक द्विवेदी,मानवी अजमानी,अनुप्रदा, दीपांशु,खुशी, संगीता,वैष्णवी, नेहा,मेघा,चित्रा,प्रज्ञा,सोनिया,ममता,खुशबू आदि का सहयोग रहा।

पुलिस ने 1033 डिब्बी नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी पुलिस ने नकली सिगरेट बनाने वाले फैक्ट्री पर छापेमारी कर भंडाफोड़ किया है। यहां पर काफी समय से नामी ब्रांड गोल्ड फ्लैक के नकली रैपर लगाकर असली के नाम पर बेच रहा था। पुलिस ने मौके से सात कार्टन नकली सिगरेट और रैपर के 10 पैकेट बरामद किए हैं। इनमें 1033 डिब्बी नकली सिगरेट भरी गई थी। मौके से पुलिस ने आरोपी संचालक हैदराबाद खरऊआ, थाना सीबीगंज निवासी देवमूर्ति साहू को गिरफ्तार भी किया है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि थाना क्षेत्र के एकता नगर निवासी सचिन भारद्वाज ने बताया कि वह मौजूदा समय में गगन गुटखा और गोल्ड फ्लैक सिगरेट के बरेली जिले के डीलर हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि एक सर्वे के दौरान पता चला कि गोल्ड फ्लैक सिगरेट और अन्य सिरगेटों को गोल्ड फ्लैक के नकली रैपरों में रखकर धोखाधड़ी कर नकली सिगरेटों की डिब्बियों को असली के रूप में बेचा जा रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने माधोबाड़ी में देवमूर्ति साहू के गोदाम पर छापेमारी की। जहां पर गोल्ड फ्लैक के 12 डिब्बे, जिसमें कुल 287 डिब्बी ,गोल्ड फ्लैक का बड़ा पैकेट 9 डिब्बे, कुल 180 डिब्बी है। साथ में गोदान गरम सिगरेट के 11 डिब्बा जिसमें 220 डिब्बी, सिगरेट के 17 पैकेट कुल 204 डिब्बी, रसियन माया ब्रांड की हुक्का फ्लेवर सिगरेट के छह पैकेट कुल 60 डिब्बी समेत अन्य सामान बरामद किया। पुलिस ने आरोपी संचालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी देवमूर्ति ने बताया कि वह गोल्ड फ्लैक जैसी हूबहू पैकिंग वाले नकली रैपर तैयार करता था और उन्हेंव असली बताकर बाजार में बेचता था। साथ ही बताया कि वह पहले सेल्समैन का काम करता था, जिससे उसका खर्चा पूरा नहीं हो पा रहा था। कम्पनी में जो माल खराब हो जाता था तो कम्पनी उस माल को नष्ट करने के लिए देती थी। उसी को लाकर यहां रैपर लगाकर बाजारों में बेच कर मोटा मुनाफा कमाता था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिथरीचैनपुर में मॉडल इम्युनाइजेशन सेंटर का हुआ शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / खेल-खेल में बच्चों को लगेगा टीका, जिले में शुरू हुआ चौथा मॉडल इम्युनाइजेशन सेंटर जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिथरीचैनपुर में चौथे मॉडल इम्युनाइजेशन सेंटर (एमआईसी) का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ? विश्राम सिंह ने फीता काटकर एमआईसी का उद्घाटन किया। एमआईसी पर खुशनुमा वातावरण में गुणवत्तापूर्ण ढंग से बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा, यहां पर बच्चों के खेलने की भी सुविधा होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि एमआईसी का उद्देश्य चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण में उत्कृष्ट टीकाकरण सेवाओं की प्रदायगी तथा लाभार्थियों को समृद्ध अनुभव की अनुभूति प्रदान किया जाना है। उन्होंने ने बताया कि एमआईसी में प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से एक स्वागतयोग्य, माँ और बच्चे के अनुकूल वातावरण में उच्च-गुणवत्ता वाली सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि जिला महिला चिकित्सालय के तर्ज पर डॉ. उत्तरा शर्मा द्वारा एमआईसी बनाया गया है। एमआईसी बनाने के लिये यूपीएससी का चयन डिलीवरी लोड (प्रसव) की संख्या के आधार पर फैसिलिटी का चयन किया गया है। उक्त फैसिलिटी में पहले टीकाकरण, कोल्ड चेन प्वॉइंट की सुविधा और प्ले एरिया, टीकाकरण कक्ष और प्रतीक्षालय के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिथरीचैनपुर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. उत्तरा शर्मा ने बताया कि मॉडल टीकाकरण केन्द्र में पहले बच्चों को आराम से स्टेनलेस स्टील चेयर पर बिठाया जाएगा। फिर उन्हें खेलने के लिए खिलौना भी दिया जाएगा। जब बच्चे खिलौना खेलने में मशगूल हो जाएंगे तो उन्हें टीका लगा दिया जाएगा। वह भी इस ढंग से कि उन्हें दर्द का एहसास ही ना हो। इस दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन की एसएमओ डॉ. पी.वी. कौशिक, जेएसआई संस्था की प्रोग्राम ऑफिसर रजनी त्यागी, यूनिसेफ के डीएमसी इरशाद खान, सहायक मलेरिया अधिकारी सूरज प्रकाश, सीएसओ शालिनी बिष्ट, एआरओ धीरेन्द्र सिंह, शिवम सिंह, शिवानी, संगीता, संजय यादव ,राजू खान सहित सीएचसी का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

कांग्रेस कमेटी ने चाचा नेहरू जी की मनाई जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। आज जिला व महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी भारत रत्न भारत के प्रथम पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती कार्यक्रम कांग्रेस कार्यालय, रामपुर बाग पर मनाया गया । इस अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई और बाद में गोष्ठी में विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी की और संचालन कमरुद्दीन सैफी ने किया । श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने कहा कि आधुनिक भारत के जन्मदाता पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के एक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए सालों जेल में बिताए और अंततः प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में अविस्मरणीय विकास के कार्य किये। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दददा एड.ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी नमन करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी सोच की पुरोधा थे और देश के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉक्टर कुलभूषण त्रिपाठी जी ने कहा स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल जी त्याग की प्रतिमूर्ति थे, उन्होंने उस समय के संपन्न परिवार के होने के बाद भी अपना जीवन जेलों और यातनाओं में बिताया द्व गोष्ठी में बोलते हुए शहर के पूर्व प्रत्याशी कृष्णकांत शर्मा जी ने कहा कि वे एक निडर और मजबूत सोच के धनी थे। इस अवसर पर सर्वश्री डॉक्टर मेहंदी हसन, डॉ हरीश गंगवार, राजेंद्र सागर, जिया उर रहमान, वरिष्ठ नेता इकबाल रजा, महेंद्र गंगवार, सुरेश चंद्र वाल्मीकि, उल्फत सिंह कठेरिया अकरम खान, जितेंद्र बाबू, घनश्याम सागर, रियासत हुसैन, मोबिन अंसारी, योगेश जायसवाल, रतन जायसवाल ,तीरथ मधुकर, श्याम स्वरूप गुप्ता, एवं जोया रानी खान व दीपेंद्री गुप्ता आदि लोग शामिल हुए ।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ में कटी सड़क की आठ वर्ष बाद भी मरम्मत तक नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती गांव गांव तक अच्छी सड़क की सरकारी योजना जिले में लागू नहीं हो पा रही है। गांवों की सड़कों की हालत देखने के बाद यह योजना दम तोड़ती दिखती है। यहां तो आठ साल के पहले कटी सड़क की न तो मरम्मत कराई जाती है और न ही फिर से निर्माण ही कराया जाता है। नासिरगंज से लक्ष्मनपुर सेमरहनिया गांव तक जाने वाली सड़क की कुछ ऐसी ही दशा है। जमुनहा तहसील क्षेत्र के नासिरगंज से लक्ष्मनपुर सेमरहनिया गांव को जोड़ने वाला मार्ग 2017 से बाढ़ के कारण पांच स्थानों पर कट गई थी। पोंदिला गांव के पास बनी पुलिया भी कट गई थी। इसके कारण सड़क पूरी तरह से बंद हो गई थी। इसके कारण लक्ष्मनपुर, धोविहा, पोदिला, पोदिली, सेमरहनिया सहित आधा दर्जन गांवों के लोगों का आना जाना बाधित है। लोगों को मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए 15 किलोमीटर का चक्कर लगा कर पहुंचना पड़ता है। बरसात के दिनों में इन गांवों तक पहुंचने का एक मात्र सहारा नाव ही है। बाढ़ से जहां सड़क कट गई थी वहां बरसात में नाव चलती है। इन गांवों के लोगों का सीधा रास्ता नासिरगंज है। लेकिन सड़क ठीक न होने के कारण जमुनहा बहोरवा वर्ष 2017 में राप्ती की बाढ़ से कट गई थी वहीं जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सुजानडीह गांव के दक्षिण गांवट माता मंदिर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए इंटर लॉकिंग सड़क बनी हुई है। बगल के लोगों ने बिना पटरी छोड़े सड़क से सटाकर मिट्टी की खुदाई कर दी है। इससे इंटरलकिंग सड़क जल्द ही ध्वस्त हो जाएगी। लोगों का कहना है कि पहले मंदिर तक पहुंचने के लिए कच्चा रास्ता था। बारिश में कच्चे रास्ते से मंदिर पहुंचने में समस्या होती थी।

कोतवाली में घर में घुसकर मारपीट को लेकर मुकदमा लिखा

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) कोतवाली में तहरीर देते हुई श्री मति प्रभा देवी पत्नी कीरत सिंह निवासी ग्राम भेंड़ थाना कोंच ने बताया है कि घटना बीते समय की है तभी मेरे गांव मेरे घर में घुसकर प्रमोद कुमार पुत्र विश्राम सिंह निवासी ग्राम कैथी ओर उनके साथ नो अन्य लोगों ने घुसकर मेरे और मेरी पुत्री के साथ मारपीट कर दी है और गाली गलौज की है और वह जान से मारने की धमकी दे रहे है इस पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 234/25 धारा 331 115(2) 351(3) 3(5)बी एन एस में दर्ज कर लिया है

16 नंबवर को जालौन आयेंगे बीडीसी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत शुक्ला

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ कोंच(जालौन) बीडीसी संघ के जालौन के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव हरदुआ ने अवगत कराया है कि क्षेत्र पंचायत स्वाभिमान बीडीसी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय नवनीत शुक्ला जी का जालौन जिले में आगमन हो रहा है 16 नवंबर दिन रविवार को जालौन वाली माता मंदिर पर एक आवश्यक बैठक करेंगे जिसमें क्षेत्र पंचायत बीडीसी की समस्या ओं को लेकर एवं आगामी पंचायत चुनाव पर चर्चा एवं रणनीति कैसे बनाएं इस विषय पर बैठक भी करेंगे बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गुड्डी रानी पटेल जी प्रदेश प्रभारी रामकिशोर आर्य जी एवं प्रदेश महामंत्री सुभाष द्विवेदी जी आ रहे हैं और बैठक के बाद मंडल अध्यक्ष पुष्पा सिंह राजावत जी के सानिध्य में चल रही भागवत कथा में शामिल होंगे इस कार्यक्रम में सहयोगी समस्त मंडल एवं जिला कार्यकारिणी और ब्लाक कार्यकारिणी कार्यक्रम आदि शामिल रहेंगे और यह कार्यक्रम जालौन वाली माता मंदिर तय किया गया है

पुलिस मॉडर्न स्कूल में बाल दिवस एवं स्पोर्ट्स डे का हुआ भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस लाइन स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में आज बाल दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. किरन देवी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की। इसके पश्चात बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। बाल दिवस के साथ-साथ स्कूल में स्पोर्ट्स डे भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं में लेमन रेस, फ्रॉग रेस, पेयर रेस, शटल रेस तथा टग ऑफ वॉर जैसे रोमांचक खेल शामिल थे। सभी वर्गों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्या डॉ. किरन देवी ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने एनुअल डे, बाल दिवस और स्पोर्ट्स डे के सफल आयोजन पर संपूर्ण पुलिस मॉडर्न स्कूल परिवार का आभार व्यक्त किया।

पंचायत चलो अभियान के तहत ग्राम करौटी-ए में ग्राम सभा सम्पन्न

बाल विवाह रोकथाम, किशोर सशक्तिकरण और ग्राम युवोदय पर विशेष जोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ सूरजपुर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र पाटले के निर्देशन में पंचायत चलो अभियान के अंतर्गत आज ब्लॉक भैयाथन के ग्राम पंचायत करौटी-ए में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूनिसेफ एवं एग्रीकोन फांडेशन के जिला समन्वयक हितेश निर्मलकर, ओढ़गी ब्लॉक समन्वयक धनराज जगते, ग्राम पंचायत के सरपंच गजमोचन सिंह, सचिव राजेन्द्र, पंचगण, माध्यमिक शाला के शिक्षक, स्कूली बच्चे, किशोर, युवा वर्ग तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम सभा में पंचायत चलो अभियान के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके तहत जीपीडीपी कार्ययोजना में समुदाय की सहभागिता बढ़ाने एवं आगामी वर्ष के लिए प्रमुख विषयों को शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। ग्राम सभा में जिन विषयों पर विशेष चर्चा की गई उनमें शामिल हैं बाल विवाह रोकथाम एवं इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम,किशोर सशक्तिकरण,लिंग आधारित हिंसा की रोकथाम एवं ग्राम युवोदय हेतु स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) का चयन। इस दौरान ग्राम के किशोरों और युवाओं के नामों की सूची वालंटियर डाटा के रूप में संकलित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जन को बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई गई।

दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान कानून में बड़ा संशोधन, अब पूरे प्रदेश में लागू होगा अधिनियम, ये हुआ बदलाव

कैबिनेट फैसले की जानकारी देते हुए श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि संशोधन के तहत यह अधिनियम अब उन प्रतिष्ठानों पर लागू होगा जिनमें 20 या उससे अधिक कर्मकार कार्यरत हैं।

राज्य के सभी जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिष्ठान भी इस कानून के दायरे में आएंगे। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 में महत्वपूर्ण संशोधन को मंजूरी देते हुए इसकी सीमा नगरीय क्षेत्रों से बढ़ाकर पूरे प्रदेश तक कर दी है। अब राज्य के सभी जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों के दायरे में प्रतिष्ठान भी इस कानून के दायरे में आएंगे। इससे अधिकतम श्रमिक कानूनी संरक्षण के दायरे में आएंगे और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होगी।श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि संशोधन के तहत यह अधिनियम अब उन प्रतिष्ठानों पर लागू होगा जिनमें 20 या उससे अधिक कर्मकार कार्यरत हैं। इससे छोटे प्रतिष्ठान बिना अतिरिक्त बोझ के अपनी आर्थिक गतिविधि को सुचारू रख सकेंगे, जबकि बड़े प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को अधिनियम के तहत मिलने वाले सभी लाभ मिलेंगे। सरकार का मानना है कि इससे प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियां और तेज होंगी।उन्होंने बताया कि संशोधन का दायरा बढ़ाते हुए सरकार ने चिकित्सकीय इकाइयों जैसे क्लीनिक, पॉलीक्लीनिक, प्रसूति गृह, आर्किटेक्ट, कर सलाहकार, तकनीकी सलाहकार, सेवा प्रदाता, सेवा मंच और इसी तरह के अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी कानून के अंतर्गत शामिल कर दिया है। इससे इन प्रतिष्ठानों में काम करने वाले कर्मचारियों को भी सुरक्षित कार्य परिस्थितियों और लाभों का अधिकार प्राप्त होगा।

लाशों का ढेर देख कांप गए लोग: पत्नी व तीन मासूमों को मार डाला, फिर मौत को लगाया गले; बाहरवाली का चक्कर बनी वजह

श्रावस्ती में युवक ने पहले पत्नी व तीन मासूम बच्चों की हत्या कर दी। फिर खुद मौत को गले लगा लिया। बाहरवाली के चक्कर में वारदात को अंजाम देने की बात निकलकर सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।यूपी के श्रावस्ती में बच्चों की हत्या करने के बाद खुद फंदे से ही वह मुंबई से लौटा था। ग्रामीणों में प्रेम प्रसंग चर्चा है। हालांकि असली कारण तो पुलिसिया पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना पंचायत के लियाकतपुरवा की है। गांव निवासी (35), इसकी पत्नी साहनाज (30), बेटियां व बेटे मोइन (2) की मौत हुई है। लाशें देखकर पत्नी व बच्चों की हत्या के बाद रोजअली द्वारा है। बताया गया कि सुबह घर के लोग सो कर काफी देर होने के बाद भी अंदर से कोई हलचल राबिया को देखने के लिए कहा। राबिया ने कमरे का ढेर लगा था। भैया-भाभी और तीन बच्चों गई। शोर सुनकर आसपास के लोग भी जमा हो जुट गई। ग्रामीणों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। प्रभारी अखिलेश पांडेय और पुलिस टीम के घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी जुटाई। है। मां ने बताया कि रोजअली परिवार के साथ पहले ही पत्नी व बच्चों के साथ घर लौटा था। मां बिलखते हुए यही कहती रही कि मासूम बच्चों की क्या गलती थी, उन्हें किस बात की सजा मिली। उन्होंने तो अभी ठीक से दुनिया भी नहीं देखी थी। इससे पहले ही उनकी जान ले ली। मां ने बताया कि काफी पहले बेटे-बहू में झगड़ा होता था, लेकिन इधर बेटे और बहू के बीच कोई विवाद भी नहीं था। सब कुछ ठीक चल रहा था। फिर अचानक ऐसा कदम क्यों उठाया, समझ में नहीं आ रहा है। घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है। एसपी बोले-आत्महत्या का मामला लग रहा एसपी ने बताया, प्रथम दृष्टया पति द्वारा पत्नी और बच्चों की गला घोट कर हत्या और खुद फंदे से लटक कर आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। जांच में बच्चों के सांस न ले पाने से मौत की बात सामने आई है, जो गला दबाने या तकिए से मुंह दबाने से होता है। परिजनों के मुताबिक पत्नी से मायके जाने को लेकर विवाद हुआ था। कई अन्य पहलुओं की भी की जा रही जांच। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट होगी मौत की स्थिति।

शुक्रवार को युवक ने पत्नी व मासूम लटककर जान दे दी। पांच दिन पहले के चलते वारदात को अंजाम देने की जांच के बाद ही सामने आ सकेगा। इकौना थाना क्षेत्र के कैलासपुर ग्राम शमशूल हक के बेटे रोजअली तबस्सुम (6) और गुलनाज (4) हर कोई सहमा हुआ है। प्रथम दृष्टया सुसाइड करने का मामला लग रहा जगे तो रोजअली का कमरा बंद था। न हुई। मां को चिंता हुई तो बेटी में झांककर देखा तो बेड पर लाशों की लाशें देख उसकी चीख निकल गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ सूचना पर सीओ भारत पासवान, थाना साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा मुंबई में रहता था। वह पांच दिन

कूड़ा फेंकने के विवाद में युवक की बेलचे से पीट-पीटकर हत्या, तीन महीने पहले हुई थी शादी

लखनऊ के गुडंबा में कूड़ा फेंकने के मामूली विवाद में युवक की बेलचे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। परिजन युवक को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र के आदिल नगर में मामूली विवाद को लेकर पड़ोसियों द्वारा एक युवक को घर से घसीट कर ले जाकर बेलचे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घरवाले युवक को हॉस्पिटल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंच गई है और पूछताछ कर रही है।गुडंबा के आदिल नगर में कूड़ा फेंकने को लेकर शुक्रवार सुबह दो पक्षों की महिलाओं में विवाद हो गया। आरोप है कि दानिश की मां आबिदा के कूड़ा फेंकने से मना करने पर दूसरे पक्ष के साबिर ने अपने बेटों फारूक, अफसान व पत्नी के साथ मिलकर बेलचा व डंडो से दानिश (22) पर हमला कर दिया।बेलचे के हमले से दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे ट्रामा सेंटर ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी मौके से फरार हो गए। एसीपी गाजीपुर ए विक्रम सिंह व इंस्पेक्टर गुडंबा ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। आरोपियों की तलाश की जा रही है। मृतक का तीन माह पूर्व विवाह हुआ था। मृतक की पत्नी रुकसाना अपने मायके में है। मृतक परिवार के साथ दूध बेचने का कार्य करता था।

जिन्हें राम नाम से दिक्कत है, वो लाहौर की टिकट कटवा लें...बागेश्वर बाबा का कोसी में बड़ा बयान

सनातन एकता पदयात्रा के कोसी से रवाना होने से पूर्व बाबा बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि जिनको राम नाम, वंदे मातरम, जय श्री राम से दिक्कत हो तो वे लाहौर की टिकट कटवा लें।सनातन एकता पदयात्रा के कोसी से रवाना होने से पूर्व शुक्रवार को सुबह बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि जिनको राम नाम, वंदे मातरम, जय श्री राम से दिक्कत हो तो जल्दी ही लाहौर की टिकट कटवा लें। अगर पैसा भी न हो तो हम कर्ज लेकर अपने पैसे से टिकट करवाएंगे। जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं। धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि हम मुसलमानों के विरोधी नहीं। हम उनके विरोधी हैं जो राम और राष्ट्र का नहीं हो सकता है, हम उनके विरोधी हैं जो खाते भारत का हैं और गुणगान उन लोगों का करते हैं। वो आप के चाचा लगते हैं क्या? कुछ हमारे हिंदू गीता, गंगा, संतों, सनातन एकता पद यात्रा का विरोध करते हैं। भैया अगर शुगर हो जाती है, तो शुगर चेक कार्रवाई जाती है। वैसे जो हिन्दूओं का विरोध करते हैं वो अपना डीएनए टेस्ट करवा लें। इससे पूर्व राष्ट्रगान, वंदेमातरम के साथ एक जुट होने की शपथ दिलाई गई। यात्रा के छाता प्रस्थान से पूर्व सुभाष बासईया, वेद प्रकाश गोयल, योगेश खंडेलवाल, विनोद जैन, केके अग्रवाल, स्पर्श गोयल, सौरभ अग्रवाल, डा.अमन गोयल, बलवंत सिंह, नीरज अग्रवाल, सुनील गोयल, सुशील गोयल, कमलेश, रजत गोयल आदि ने पदयात्रियों बाल भोग वितरित कर महाराज का स्वागत किया। बाल्मीकि समाज के गिर्राज सिंह, नितिन तौमर ने गदा एवं चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

एसएसबी भिनगा ने बच्चों संग मनाया खुशियों भरा चिल्ड्रेन्स डे, अंकुर प्ले स्कूल में गूंजा उत्साह और उमंग

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती चिल्ड्रेन्स डे के अवसर पर 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा में हर्षोल्लास का माहौल देखने को मिला। कमान्डेंट अमरेंद्र कुमार वरुण के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय स्थित अंकुर प्ले स्कूल में बच्चों के साथ मिलकर चिल्ड्रेन्स डे का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों के साथ केक काटकर की गई। इस दौरान एसएसबी के अधिकारियों एवं जवानों ने बच्चों को मिठाइयाँ और चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। बच्चों की खुशी और मुस्कुराहट से पूरा परिसर खिल उठा। बच्चों के लिए आयोजित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही, जिसमें नन्हे-मुन्नों ने विविध वेशभूषाओं में अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। बच्चों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को देखकर उपस्थित सभी अधिकारी एवं शिक्षक अभिभूत हुए। कमान्डेंट अमरेंद्र कुमार वरुण ने इस अवसर पर बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि- बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके चेहरे की मुस्कान और उनकी ऊर्जा हमें समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निभाने की नई प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में सहायक उप निरीक्षक विजय कुमार के साथ अन्य जवान और बच्चे उपस्थित रहे।

प्रतिबंधित मछलियां बिक रही थी जिसे गड्ढे में पटवाकर कराया गया नष्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मत्स्य अधिकारी ने बदला चौराहा पर पहुंचकर प्रतिबंधित मछली बिक रही थी जिसे नष्ट करवाया। मत्स्य अधिकारी मनोज कुमार व्यास क्षेत्र भ्रमण के दौरान बदला चौराहा पर प्रतबंधित मछली थाई थाई मांग बिक रही थी पहुंचकर देखा और जांच किया इसके बाद उसको नष्ट कराया गया। गड्ढा खोदकर और नमक डालकर नष्ट किया गया वही बहोरवा चौराहा, मल्हीपर चौराहा पर भी छापेमारी की गई परंत वहां पर प्रतिबंध मांग मछली नहीं मिली जिससे क्षेत्र में क्षेत्र में प्रतिबंधित मछली बेचने वाले दहसत लग रहा और जो मछली बेचने वाले है उन्हें बताया गया कि थाई मांग मछली बेचते पाए गए तो आपके खिलाफ विभागीय कार्रवाई कीजाएगी यह जानकारी मत्स्य अधिकारी श्रावस्ती मनोज कुमार ने दिया।

दिल्ली ब्लास्ट के मृतक के परिजनों से मिले प्रभारी मंत्री

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग, उप्र/ जनपद के प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल एक दिवसीय पर श्रावस्ती पहुंचे। तत्पश्चात प्रभारी, अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, जिलाधिकारी अश्विनी कुमार एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने दिल्ली बम ब्लास्ट हादसे में स्वर्गवासी हुए विकास खण्ड इकौना अन्तर्गत ग्राम गणेशपुर निवासी स्वर्गीय दिनेश मिश्रा पत्र भूरे मिश्रा के आवास पर जाकर मृतक के परिवार से मुलाकात कर उनके प्रति शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान प्रभारी मंत्री, अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मृतक के चित्र पर माल्यार्पण व पष्प अर्पित कर श्रृद्धांजलि दी। मंत्री ने मृतक के पिता से मिलकर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया और कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार दुख की इस घड़ी में पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। सरकार द्वारा पीड़ित परिवारों के सहायतार्थ आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है। जिससे मृतक के परिजनों को राहत मिल सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी इकौना पीयूष जायसवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व अधिकारी उपस्थित रहे।

Technology has taken away these skills! 18 tasks from the older generation that today's youth can't do

Technology has perhaps made our lives too easy. This is why today's generation is unable to perform many tasks that were once considered essential. These traditional life skills have almost disappeared from today's generation. Let's learn about these skills. Previous generations possessed many skills that are now disappearing. Due to technological advancements, these skills haven't been developed among young people. In earlier times, these skills were considered an essential part of life. Over time, technology has made our lives much easier. While many tasks once required hard work and considerable practice, today everything is available with a single click. This has made our lives more comfortable, but today's generation cannot perform many tasks (Skills Disappearing from Modern World) that older generations could easily do. Yes, there are some skills that were once a hallmark of the older generation, but are now slowly disappearing. Let's explore some of these skills, which were once quite common but are now disappearing. Writing in Cursive: There was a time when beautiful cursive handwriting was considered a matter of pride. Therefore, cursive writing was taught in schools, but today most children type on computers or mobile phones, causing this art to almost disappear. Reading Time on an Analog Clock: In the age of digital watches and smartphones, many children struggle to read the time on clocks with needles. Some children don't even know how to read the time on these clocks. Viewing a Physical Map: In the past, people used to navigate by looking at a map. Today, GPS has made this task easier, due to which the skill of map reading is being lost. Today, most people rely on GPS to navigate and find directions. Compass using (Picture Courtesy: Freepik) Remembering Phone Numbers: The older generation used to memorize the numbers of their friends and relatives. Everyone now relies on their mobile phone's contact list. People can remember a maximum of two or three numbers, but for the rest, they rely on their phone's contact list. Doing Mental Math - Calculators and mobile apps have reduced the habit of mental calculation. Now, to solve even basic two-digit math problems, most people have to use a calculator. Driving a Manual Car - With the advent of automatic cars, the skill of shifting gears and controlling the clutch is diminishing. Most cars used to be manual, but that's no longer the case. Therefore, many people don't know how to shift gears at all. Buttoning or sewing a shirt - Once a needle and thread were essential in every household, now even minor repairs require a tailor. Young people find it easier to replace their clothes when they tear rather than stitch them. Fast fashion has almost eradicated sewing skills. Listening to the Radio - FM and online music apps have virtually eliminated the habit of listening to the radio, which was once the primary source of entertainment. Today, people rely solely on their phones or televisions. Reading Morse Code - Morse code was once a vital means of communication, but it's now a thing of the past. This language, composed of dots and dashes, has become difficult for today's generation to read. Reading Newspapers - Online news apps have virtually eliminated the tradition of reading newspapers. Now, people simply scroll through headlines, and few read newspapers. Writing Letters - In the age of email and chatting, the era of handwritten letters, once considered the most beautiful medium of expressing emotions, has ended. However, the era of letter writing is now almost extinct. Film Photography - Digital cameras and mobile cameras have made roll cameras obsolete. Today's generation rarely knows how to develop photos or load film. Using a compass - Navigation apps have rendered compasses useless. People don't even use them when hiking, so this skill is disappearing. Typing without autocorrect - Autocorrect makes people lose track of correct spelling and grammar. While this allows them to type quickly, they can no longer remember even basic spelling. Changing a light bulb or cleaning a drain - These were once simple tasks performed at home, but now it's common to call an electrician or plumber. People neither have the time nor the knowledge to do them properly. Writing by hand - The habit of typing has weakened handwriting skills. People are now unable to write quickly. Using a landline phone - Many in today's generation don't even know how to dial a landline phone. Finding directions without GPS - Previously, people used to reach their destinations by looking for directions, identification, or the help of local people. But now it seems difficult to drive without GPS.

Gene editing proves remarkable; therapy reduces bad cholesterol and triglycerides by up to 50%

Australian researchers have conducted the first successful human trial of the gene editing therapy CTX310, which halves bad cholesterol (LDL) and triglycerides by silencing the ANGPTL3 gene. This single-dose treatment showed an average reduction of 50% in LDL and 55% in triglycerides, with only mild side effects. Elevated bad cholesterol and triglycerides can lead to a variety of complications. Australian researchers pioneered a successful gene editing therapy, treating three of 15 patients aged 18–75 with lipid disorders. Australian researchers have led the first human trial of a successful gene editing therapy, which halves bad cholesterol and triglycerides in people with difficult-to-treat lipid disorders. The trial tested CTX310, a single-dose CRISPR-Cas9 gene editing therapy that uses fat-based particles to carry CRISPR editing tools to the liver, thereby turning off the ANGPTL3 gene. According to a statement from Monash University in Australia, turning off this gene reduces LDL (bad) cholesterol and triglycerides, two blood fats linked to heart disease. The Victorian Heart Hospital, operated by Monash Health in partnership with Monash University, treated three of 15 patients aged 18-75 years with difficult-to-treat lipid disorders in the first phase of a global trial conducted in Australia, New Zealand, and the UK. A single-course treatment with CTX310 at the highest dose resulted in an average reduction of 50 percent in LDL cholesterol and 55 percent in triglycerides, which remained low for at least 60 days, two weeks after treatment. LDL cholesterol and triglycerides were reduced by approximately 60 percent across all participants at different doses, with only mild, short-term side effects reported. CTX310 is the first therapy to achieve significant reductions in both LDL cholesterol and triglycerides at the same time. The trial, published in the New England Journal of Medicine, marks a potential breakthrough for people with mixed lipid disorders, in which both are elevated. Effective for the health system - Stephen Nicholls, director of the Victorian Heart Hospital and lead investigator of the study, said the possibility of a single course of treatment with lasting effects could be a major step forward in the way we prevent heart disease. "This simplifies treatment, reduces ongoing costs, reduces pressure on the health system, and improves a person's quality of life," Nicholls said. He stressed plans to focus on larger and more diverse patient populations in future trials of CTX310.

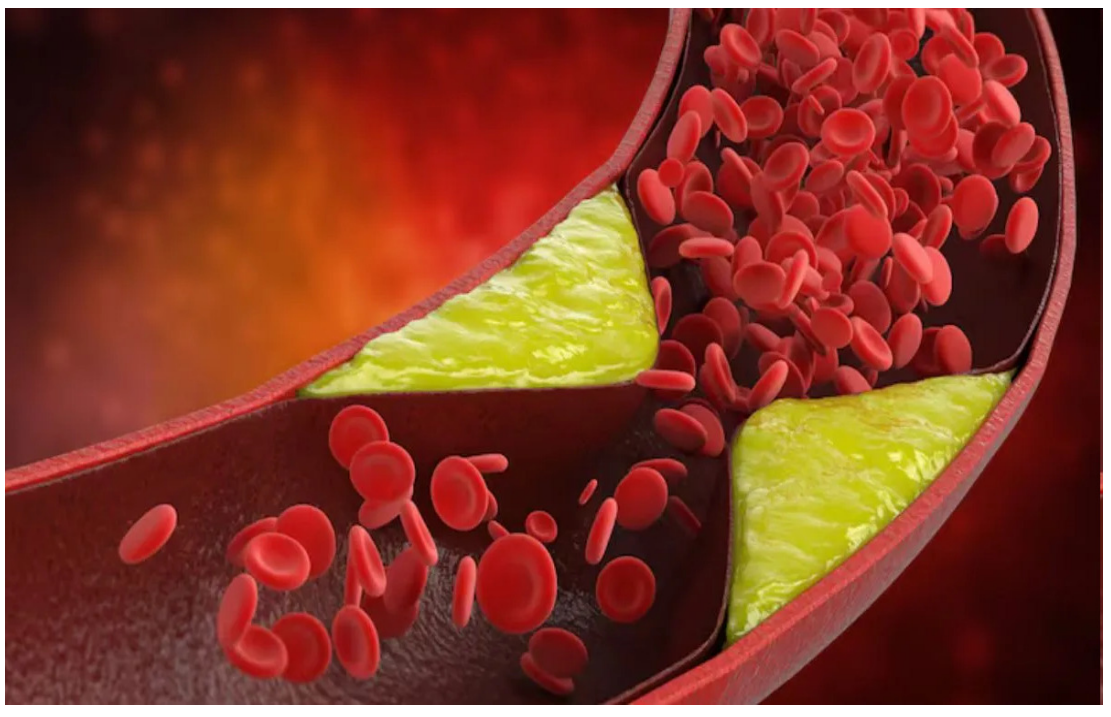

Do you also experience difficulty breathing? It could be a sign of chronic fatigue syndrome.

Abnormal breathing patterns are common in patients with chronic fatigue, often associated with dysautonomia. Insomnia and lung disease can also exacerbate this condition. Researchers have found that 71% of people with CFS experience difficulty breathing or hyperventilation. This prevents the lungs from functioning properly and causes symptoms such as dizziness and fatigue. American researchers monitored and diagnosed 57 patients with chronic fatigue syndrome. Chronic fatigue syndrome has been shown to cause respiratory problems in individuals. Respiratory problems can exacerbate post-exertional malaise. Patients with chronic fatigue may have a tendency to have abnormal breathing. This irregular breathing pattern is often associated with dysautonomia, which is caused by abnormal nerve control of blood vessels and muscles. Additionally, insomnia, sleep disorders, and lung diseases can also cause abnormal breathing in patients with fatigue, which can further exacerbate chronic fatigue. Researchers have found that people with chronic fatigue syndrome (CFS) may experience difficulty breathing, which offers a treatment target and could lead to symptom relief. Chronic fatigue syndrome is marked by fatigue despite rest and cognitive problems such as brain fog and difficulty concentrating. Researchers at the Icahn School of Medicine at Mount Sinai, USA, monitored 57 patients diagnosed with chronic fatigue syndrome while they were engaged in physical activity. The results, published in the journal Frontiers in Medicine, show that abnormal breathing can manifest as normal deep breathing, excessively rapid breathing, or shallow breathing, leading to poor lung function. Lack of coordination between the chest and abdomen can also prevent the muscles that help with breathing from functioning properly. "While we know the symptoms caused by hyperventilation, we're not sure which symptoms may be more severe with abnormal breathing," said study author Dr. Donna Mancini. "But we are certain that patients can experience abnormal breathing without being aware of it." Breathing difficulties and hyperventilation are common in patients with ME/CFS (chronic fatigue syndrome). "This could offer a new therapeutic target for these patients," the authors wrote. The heart rate and blood pressure of participants, including 25 healthy people, were measured while performing cardiopulmonary exercises over two days. 71 percent experienced respiratory problems. The researchers noted that participants' breathing patterns, including how fast, how forcefully, or how effectively they breathed to obtain oxygen, were observed to distinguish between hyperventilation and abnormal breathing. Participants with chronic fatigue were observed to take in the same amount of oxygen as healthy people. 71 percent experienced respiratory problems, either hyperventilation, abnormal respiration, or both. The researchers said both abnormal respiration and hyperventilation can cause symptoms similar to chronic fatigue, such as dizziness, difficulty concentrating, shortness of breath, and fatigue. Combined, nine patients with chronic fatigue experienced abnormal respiration and hyperventilation. This can also cause people to experience heart palpitations, chest pain, fatigue, and anxiety. The team suggested that respiratory problems may exacerbate or even directly contribute to post-exertional malaise.

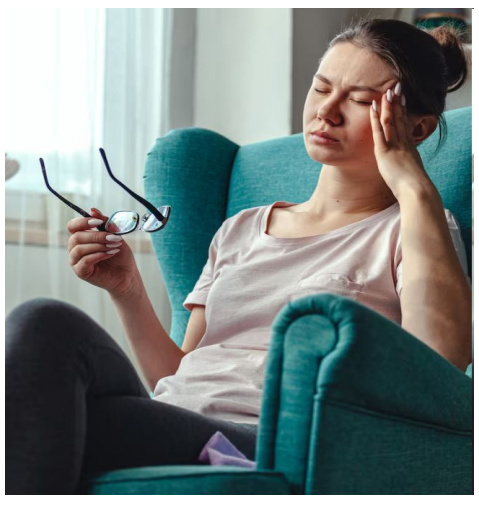

Kajol and Twinkle were once dating a common man; the actress revealed a secret about her ex on the show.

Kriti Sanon and Vicky Kaushal will be appearing as guests on Kajol and Twinkle's show, "Two Much With Kajol And Twinkle." This episode will be full of Bollywood fun and masala. The episode will feature numerous anecdotes, confessions, and shocking revelations, including about the hosts' common exes. Twinkle Khanna and Kajol have made numerous revelations on their latest show, "Two Much With Twinkle And Kajol," many of which have sparked controversy. Now, the two actresses have revealed a new secret about their love life, shocking fans. As soon as Twinkle revealed this in public, Kajol blushed and then asked Twinkle not to reveal the man's name. Twinkle and Kajol made this explosive scene while playing "This or That." Twinkle revealed: "When asked if best friends shouldn't date each other's exes, Twinkle agreed, saying, "My friends are more important to me than any man. You can find him anywhere." Looking at Kajol, she added, "We have an ex in common, but we can't say it." To which Kajol nervously replied, "Shut up, I beg you." Everyone laughed. Kriti Sanon was a guest on the show this time. Talking about her current crush, Kriti admitted that she's a complete romantic at heart. She said, "Whoever it is, he's not from the industry, so that's great. I love romance. I love the idea of ??being in love. I also love love stories, which are becoming less common these days." Dating Kabir Bahiya - Rumors about Kriti Sanon's dating life have been making headlines for quite some time. The actress is reportedly in a relationship with NRI millionaire Kabir Bahiya, with whom she recently went on a birthday vacation. Born in November 1999, Kabir Bahiya is a British-based businessman who attended a boarding school in England.

Uncle Mukesh Bhatt was not invited to Alia Bhatt's wedding; Nanu hasn't even met Rhea yet.

The Bhatt brothers, Mahesh and Mukesh, once ruled the Bollywood production world with their banner, Vishesh Films. However, over time, their partnership broke down, and their personal relationship took a painful turn. They separated. The bitterness was so intense that Mahesh didn't even invite him to Alia's wedding. Once one of Bollywood's most successful film-producing duos, Mahesh Bhatt and Mukesh Bhatt ruled Bollywood with their films. However, they no longer speak to each other. They jointly ran the production house, Vishesh Films, which together produced blockbuster films like Aashiqui, Raaz, and Murder. However, they are currently embroiled in a long-running dispute that continues to capture the industry's attention. Now, this feud has spilled into the media. I felt bad - Mukesh - Recently, Mukesh revealed that he wasn't invited to Alia Bhatt's wedding. He said he felt very bad because he loves Mahesh Bhatt's daughters very much. Speaking to Lehran Retro, Mukesh said, "I would be hypocritical if I said I didn't feel bad. Of course, I did. I love Alia very much, not just her, but Shaheen as well. So when she got married, I thought it was my daughter's wedding. I definitely wanted to be there." Mukesh even revealed that he hasn't yet met Ranbir and Alia's daughter, Rhea. Rhea turned three on November 6th of this year. Expressing his desire to meet Rhea, Mukesh said, "When I found out Alia was pregnant and had a daughter, my eyes started yearning to see Rhea. I love children very much." How did the rift between Mahesh and Mukesh Bhatt come about? The feud began in 2021 when Mukesh Bhatt officially took over the reins of Vishesh Films and announced that Mahesh would no longer be involved in the company's future projects. At the time, Mukesh claimed there was no conflict. He insisted it was a peaceful separation. However, Mahesh's subsequent comments, particularly regarding the "morally bankrupt" Aashiqui 3, suggest otherwise. According to reports, the pair parted ways due to creative and financial differences.

Wearing a yellow sari, a gun in her hand, and gunfire, Priyanka Chopra shines as Rajamouli's Mandakini

Actress Priyanka Chopra is set to return to Indian cinema after a long time. Meanwhile, Priyanka's first look from South superstar Mahesh Babu and director SS Rajamouli's upcoming film, "Globetrotter," has been revealed. Priyanka Chopra's look from "Globetrotter" is out. She's making a comeback to Indian cinema after a long time. Actress Priyanka Chopra seen in action. Actress Priyanka Chopra, who has made her mark in Hindi cinema and Hollywood, will soon be making her comeback in Indian cinema. Priyanka's name has been a topic of discussion for recent days regarding the upcoming film "Globetrotter," co-starring veteran South filmmaker SS Rajamouli and actor Mahesh Babu. Now, Priyanka Chopra's first look from "Globetrotter" has been released, showing the actress in an action avatar. This look from SS Rajamouli's film is going viral on social media. Priyanka Chopra's first look from Globetrotter has surfaced. Priyanka Chopra hasn't appeared in any Indian film industry movie for a long time. Now she's making a comeback with director S.S. Rajamouli's Globetrotter. On Wednesday, Priyanka shared the first look poster from her upcoming movie on her official X handle, in which she is seen in a stunning avatar wearing a yellow saree and holding a gun. Priyanka Chopra's first look from Globetrotter has surfaced. Priyanka Chopra hasn't appeared in any Indian film industry movie for a long time. Now she's seen making a comeback with director S.S. Rajamouli's Globetrotter. On Wednesday, Priyanka shared the first look poster from her upcoming movie on her official X handle, in which she is seen in a stunning avatar wearing a yellow saree and holding a gun. The release of Priyanka Chopra's first look poster from Globetrotter has increased the excitement of fans and everyone is eagerly awaiting the release of Mahesh Babu's upcoming movie. It's worth noting that Globetrotters previously released the first look poster of South actor Prithviraj Sukumar. When will Globetrotters release? On November 15th, Globetrotters director SS Rajamouli is hosting a mega event in Hyderabad, where updates on this Mahesh Babu-starrer will certainly be revealed. Regarding Globetrotters' release date, it's believed it could be released in theaters worldwide next year.